an>

title: Regarding providing financial assistance to potato growing farmers of Bengal.

श्री अधीर रंजन चौधरी (बहरामपुर) : माननीय उपाध्यक्ष जी, बंगाल के आलू उत्पादकों की हालत बहुत ही गंभीर होती चली जा रही है क्योंकि ये सारे आलू उत्पादक उचित मूल्य पर अपना आलू नहीं बेच पाते तथा खासकर जो बंगाल की सरकार है, यह सरकार आलू उत्पादकों की अनदेखी कर रही है। इनकी खस्ता हालत की तरफ यह सरकार ध्यान नहीं दे रही है और हालत यह हो रही है कि ये आलू उत्पादक अपने आप को खुदकशी के कगार पर ले जा रहे हैं। पिछले सिर्फ एक महीने में ऐसे 23 आलू उत्पादकों ने खुदकुशी की है। इस संगीन हालत को देखते हुए जब बंगाल के लोग एजीटेशन कर हैं तो यह बंगाल की सरकार जो खुद को मां, माटी, मानुष की सरकार कहते हैं, वह मां, माटी, मानुष की सरकार आलू उत्पादक और धान उत्पादकों को कोई आर्थिक मदद नहीं देते और पूरे बंगाल में आज हालत इतनी बुरी हो चुकी है कि बंगाल के लोग सोच रहे हैं कि वे अब कहां जाएं? इसलिए मेरा आपके माध्यम से अनुरोध है कि उनकी इस दुर्दशा को सुधारने की तरफ यह सरकार थोड़ा ध्यान दे और बंगाल की सरकार को डायरेक्शन दे।